Chhath Puja Samagri List pdf

छठ पूजा बुहत धूम धाम से पानी के किनारे (नदी-तालाब) है। जिसके लिए घर से बहार जाना पड़ता है। इस लिए हमें दो तीन बड़ी टोकरी, बांस का बना सूप की आवश्यकता होती है। 36 घंटे का व्रत के कारण छठी मैया व्रत में नारियल, केला आदि फलों की आवश्यकता होती है। जिनका भोग लगाने के बाद प्रसाद के रूप में खाया जाता है। छठ पूजन के लिए लाल सिंदूर, अगोला,थाली, लोटा, चावल, सुथनी फल व शकरकंद डाभ, सिंघाड़े, पूजा सुपारी, हल्दी, शहद, कपूर, ठेकुआ का प्रसाद, धूप-दीप जैसे अन्य सामग्री की आवश्यकता होती है। जिसकी पूरी लिस्ट आपको नीचे दी गयी है।

Chhath Puja Samagri List PDF

- पांच गन्ने जिसमें पत्ते लगे हों,
- पानी वाला नारियल,
- अक्षत,
- पीला सिंदूर,
- दीपक,
- घी,
- बाती,
- कुमकुम,
- चंदन,
- धूपबत्ती,
- कपूर,
- दीपक,
- अगरबत्ती,
- माचिस,
- फूल,
- हरे पान के पत्ते,
- साबुत सुपाड़ी,
- शहद का भी इंतजाम कर लें
- अलावा हल्दी,
- मूली
- अदरक का हरा पौधा,
- बड़ा वाला मीठा नींबू,
- शरीफा,
- केला
- नाशपाती
- कैराव,
- कपूर,
- मिठाई
- सूट या साड़ी
- बांस की दो बड़ी-बड़ी टोकरियां
- दूध और जल के लिए एक ग्लास

छठ पूजा तिथि और मुहूर्त

पहला दिन - नहाय खाय

- विधि - व्रती स्नान करके नए कपड़े धारण करते हैं और शाकाहारी भोजन करते हैं।

Chhath Puja Samagri List pdf

- तिथि - 8 नवंबर 2021 तिथि चतुर्थी तिथि
- मुहूर्त - सूर्योदय सुबह 6 बजकर 42 मिनट पर
- सूर्योस्त शाम को 5 बजकर 27 मिनट पर होगा।

दूसरा दिन - खरना

- विधि - श्रद्धालु पूरे दिन का उपवास रखकर शाम के वक्त खीर और रोटी बनाते हैं।
- तिथि - 9 नवंबर पंचमी तिथि
- मुहूर्त - सूर्योदय सुबह 6 बजकर 40 मिनट पर
- सूर्योस्त शाम को 5 बजकर 40 मिनट पर होगा।

तीसरा दिन - अस्त होते सूर्य को अर्घ्य

- विधि - छठ व्रती पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं और, शाम को डूबते हुए सूर्य को अर्घ्य देती हैं।
- तिथि - 10 नवंबर षष्टी तिथि
- मुहूर्त - शाम सूर्योस्त के समय से चाँद के आने तक

चौथा दिन - उगते हुए सूर्य को अर्घ्य

- विधि - उगते हुए सूर्य को अर्घ्य दिया जाता है। घाट पर बैठकर पूजा -अर्चना करते हैं।
- तिथि - 11 नवंबर सप्तमी तिथि
- मुहूर्त - सुबह सूर्योदय के बाद

chhath puja fruits list in hindi

- केला
- डाभ नींबू
- नारियल
- गन्ना
- सुथनी
- सुपारी
- सिंघाड़ा